



मुख्यमंत्री वरुण अल  
रूप से करेंगे  
गौधाम योजना  
का शुभारंभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन द्वारा निराश्रित, घुमंतू पशुओं एवं गौवंशीय पशुओं का वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षण एवं संवर्धन करने के उद्देश्य से गौधाम योजना का शुभारंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा गौधाम योजना का शुभारंभ गौधाम लाखासार एवं गुरु चासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रेक्षागार बिलासपुर में किया जाएगा।

इसी कड़ी में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रथम सुधी गोधाम श्यामा गौशाला समिति ग्राम देवीगंज का भी वरुण अल रूप से शुभारंभ किया जाएगा। उपसंचालक पशु विभाग श्री शिशिर कांत पाण्डेय ने जानकारी दी है कि जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर के सभाकक्ष में दोपहर 2 बजे से जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निरुंज के मुख्य आतिथ्य एवं जिला स्तरीय गौधाम समिति अध्यक्ष श्री आशिष केशरी की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

## महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ना शासन की प्राथमिकता : सीईओ

★ विशेष जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न  
★ बैंक खातों के लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के लिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वीमेन लीड एंटरप्राइजेज के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर की अध्यक्षता में विशेष जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों तथा स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाते खोलने की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने विभिन्न बैंकों में लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने लंबित प्रकरणों को निराकरण करने के निर्देश दिये।

जिला पंचायत सीईओ ने सभी बैंकों को प्राथमिकता से हुए लंबित प्रकरणों का निराकरण करने को कहा। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि के भीतर वीमेन लीड एंटरप्राइजेज तथा स्वयं सहायता समूहों के बैंक

खाता खोलने की प्रक्रिया पूर्ण करे। उन्होंने बीपीएम को भी निर्देशित करते हुए कहा कि



संबंधित बैंकों के साथ समन्वय कर आवश्यक दस्तावेजी कमियों को तत्काल दूर करें, ताकि महिलाओं के समूहों और वीमेन लीड एंटरप्राइजेज के बैंक खाते शीघ्र खोले जा सकें।

तोमर ने कहा कि महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ना

आधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धारित अवधि में प्रकरणों का निराकरण करें, ताकि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में चल रही पहल को गति मिल सके। बैठक में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री अंकित शर्मा एवं संबंधित विभागीय अधिकारी व बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धारित अवधि में प्रकरणों का निराकरण करें,

ताकि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में चल रही पहल को गति मिल सके। बैठक में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री अंकित शर्मा एवं संबंधित विभागीय अधिकारी व बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## अमेरा खदान से निकलने वाली गाड़ियों को ग्रामीणों ने 6 घंटे तक रोका



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एस्ईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र की अमेरा खुली खदान परियोजना से निकलने वाले कोयला परिवहन पर शुक्रवार को उस समय अचानक ब्रेक लग गया, जब सिंगीटाना और पीपरखार के ग्रामीणों ने रोड सेल की कोयला लोड गाड़ियों को रास्ते में रोक दिया। ग्रामीणों के इस विरोध के चलते लगभग छह घंटे तक कोयला परिवहन पूरी तरह ठप रहा और सड़क पर ट्रकों की लंबी कतार लग गई थी। बताया जा रहा है कि सुबह से ही ग्रामीणों का समूह सड़क पर उतर आया और खदान से कोयला लोड कर निकलने वाली भारी वाहनों को आगे बढ़ने से रोक दिया। देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई और सड़क पर दर्जनों कोयला वाहनों की लाइन लग गई। इससे न केवल खदान का काम प्रभावित हुआ बल्कि आसपास के मार्गों पर भी यातायात बाधित हो गया। घटना के बाद खदान प्रबंधन ने तत्काल लखनपुर थाना प्रभारी को पत्र

लिखकर मामले में हस्तक्षेप और कार्रवाई की मांग की। प्रबंधन ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि कुछ ग्रामीण अक्सर कोयला लोड वाहनों को रोककर कार्य में बाधा डालते हैं, जिससे कोयला परिवहन प्रभावित होता है और विवाद की स्थिति बन जाती है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक बातचीत के बाद ग्रामीणों ने अपना विरोध समाप्त किया और रास्ता खोल दिया, जिसके बाद कोयला परिवहन फिर से शुरू हो सका। खदान प्रबंधन के अनुसार अमेरा खदान से सिंगीटाना तक करीब 6.5 किलोमीटर लंबी कंक्रीट सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। इस सड़क पर लगभग 9 करोड़ रुपए की लागत खर्च की जा रही है। निर्माण कार्य का जिम्मा टेका कंपनी भवानी इंफ्राटेक को दिया गया है। हालांकि बीच-बीच में होने वाले विवादों के कारण सड़क निर्माण का

काम भी प्रभावित हो रहा है। दूसरी ओर ग्रामीणों का कहना है कि खदान से निकलने वाले भारी वाहनों के कारण सड़क पर लगातार धूल उड़ती है और दिनभर ट्रकों की आवाजों से ग्रामीणों को भारी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने पेयजल व्यवस्था, सड़क पर नियमित पानी का छिड़काव और अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर पहले भी प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को सरपंच विफल लकड़ा और नवल लकड़ा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर कोयला लोड गाड़ियों को रोक दिया। इस दौरान काफी देर तक हंगामा होता रहा और सड़क पर ट्रकों की लंबी लाइन लग गई। खदान प्रबंधन का कहना है कि इस तरह की स्थिति समय-समय पर बनती रहती है, जिससे कोयला परिवहन और विकास कार्य दोनों प्रभावित होते हैं। प्रबंधन का कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए प्रशासन और ग्रामीणों के साथ समन्वय जरूरी है।

## गर्मी और लू से बचाव के लिए बरतें आवश्यक सावधानियां

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन के निर्देशानुसार लू से बचाव एवं प्रबंधन हेतु दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। जिसके अंतर्गत जिले में भीषण गर्मी पड़ने पर लू से बचाव हेतु जन सामान्य को उसके लक्षणों की पहचान एवं उपाय तथा प्रारंभिक उपचार हेतु जागरूक किया जाना है, ताकि उक्त परिस्थिति में ऐसे व्यक्तियों को बचाया जा सके।

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटार ने जिले के समस्त जनसमुदाय से अपील की है कि गर्मी से बचने का हरसंभव प्रयास करें एवं धूप में अनावश्यक बाहर नहीं निकलें, समय-समय

पर भरपूर पानी पीते रहें तथा शरीर में पानी की कमी न होने दें। साथ ही लू के लक्षण होने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों से सम्पर्क करें। सामान्यतः लू के मुख्य लक्षण सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, तेज बुखार के साथ मुँह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का ना आना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख कम लगना, बेहोश होना लू लगने का प्रमुख कारण है। तेज धूप और गर्मी में ज्यादा देर

तक रहने के कारण शरीर में पानी और खनिज मुक्त: ममक की कमी होता है। लू से बचाव के उपाय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने लू से बचाव के लिए जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया है कि अनिवार्य न हो तो घर से बाहर ना जाएं, धूप में निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह से बांध ले पानी अधिक मात्रा में पीयें, अधिक समय तक धूप में न रहें, गर्मी के दौरान नरम, जलवायु सूती के कपड़े पहनने चाहिए ताकि हवा और कपड़े

पसीने को सोखते रहे अधिक पसीना आने की स्थिति में ओ.आर.एस. घोल पीयें। चक्कर आने, मिलती आने पर छायादार स्थान पर आराम करें एवं शीतल पेयजल उपलब्ध हो तो फल का रस, लस्सी, मट्ठा आदि का सेवन करें। प्रारंभिक सलाह के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क परामर्श लें। लू लगने पर प्रारंभिक उपचार के तौर पर बुखार पीड़ित व्यक्ति के सर पर उंडे पानी की पट्टी लगायें, अधिक पानी पीयें, पौडित व्यक्ति को शीघ्र किसी नजदीकी स्वास्थ्य संस्था व अस्पताल में उपचार के लिए लेकर जायें।

जिम्मेदारी देने, कक्षाओं का संचालन सतत रूप से होता रहे इसके लिए जिला, विकासखण्ड, संकुल और ग्राम स्तर से नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था करने तथा प्रत्येक स्व-सहायता समूह की बैठक में पठन-पाठन और कक्षा संचालन की प्रगति पर अनिवार्य रूप से चर्चा करने तथा अपने जनपद पंचायत क्षेत्रों में उल्लस नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार करने हेतु नारा लेखन करने के निर्देश दिये हैं। जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता मिशन श्री हीरालाल पटवा ने बताया है कि प्रत्येक असाक्षर महिला के साथ समूह की एक साक्षर महिला को जोड़ना है, जो प्रतिदिन की सहमति से लिया जाए कि पढ़ाई कौन कराएगा, कक्षा कहाँ संचालित होगी और कक्षा का समय क्या होगा इसका निर्णय समूह की महिलाओं से मिलकर तय करने, स्व-सहायता समूह की जो महिलाएँ पढ़ी-लिखी हैं और लेखा संधारण का कार्य करती हैं, उन्हें महिलाओं को पढ़ाने की

## स्व-सहायता समूह की असाक्षर महिलाओं को साक्षर बनाने की पहल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। अंत्योदय योजना के अंतर्गत संचालित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों, विशेषकर महिलाओं को संगठित कर उन्हें कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार तक पहुँच उपलब्ध कराना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। इसी उद्देश्य के तहत स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अब उन्हें साक्षर बनाने की दिशा में विशेष पहल की जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएँ संगठित होकर पांच सूत्रों - नियमित साप्ताहिक बैठक, साप्ताहिक बचत, आंतरिक लेनदेन, ऋण वापसी तथा सही पुस्तक संधारण का कार्य करती हैं। लेकिन कई समूहों में अभी भी ऐसी महिलाएँ हैं जो असाक्षर हैं। उन्हें साक्षर बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

जिला पंचायत सीईओ एवं जिला साक्षरता मिशन उपाध्यक्ष श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने समस्त जनपद पंचायत सीईओ एवं बीपीएम राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को ब्लॉक और सेक्टर स्तर पर आयोजित समीक्षा बैठकों में उल्लस नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को प्रमुखता से शामिल करने, ग्रामीण स्तर पर गठित स्व-सहायता समूहों की असाक्षर महिलाओं का शत-प्रतिशत सर्वे, सर्वे से संबंधित सभी प्रपत्र 13 मार्च 2026 तक विकासखण्ड परियोजना अधिकारी साक्षरता को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। साथ ही कक्षा संचालन को प्रभावी बनाने के लिए समूह की महिलाओं की सहमति से लिया जाए कि पढ़ाई कौन कराएगा, कक्षा कहाँ संचालित होगी और कक्षा का समय क्या होगा इसका निर्णय समूह की महिलाओं से मिलकर तय करने, स्व-सहायता समूह की जो महिलाएँ पढ़ी-लिखी हैं और लेखा संधारण का कार्य करती हैं, उन्हें महिलाओं को पढ़ाने की

जिम्मेदारी देने, कक्षाओं का संचालन सतत रूप से होता रहे इसके लिए जिला, विकासखण्ड, संकुल और ग्राम स्तर से नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था करने तथा प्रत्येक स्व-सहायता समूह की बैठक में पठन-पाठन और कक्षा संचालन की प्रगति पर अनिवार्य रूप से चर्चा करने तथा अपने जनपद पंचायत क्षेत्रों में उल्लस नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार करने हेतु नारा लेखन करने के निर्देश दिये हैं। जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता मिशन श्री हीरालाल पटवा ने बताया है कि प्रत्येक असाक्षर महिला के साथ समूह की एक साक्षर महिला को जोड़ना है, जो प्रतिदिन की सहमति से लिया जाए कि पढ़ाई कौन कराएगा, कक्षा कहाँ संचालित होगी और कक्षा का समय क्या होगा इसका निर्णय समूह की महिलाओं से मिलकर तय करने, स्व-सहायता समूह की जो महिलाएँ पढ़ी-लिखी हैं और लेखा संधारण का कार्य करती हैं, उन्हें महिलाओं को पढ़ाने की

बताती हैं कि शासन की योजनाओं से उन्हें न केवल आवास का लाभ मिला, बल्कि अन्य योजनाओं से भी उन्हें सहयोग मिल रहा है। श्रीमती कमलेश्वरी को महतारी वंदन योजना के तहत प्रति माह 1000 रुपये की सहायता राशि मिल रही है। बीपीएल राशन कार्ड के माध्यम से उन्हें खाद्यान्न उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के हित में चलाई जा रही शासन की योजनाओं के लिए शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि शासन-प्रशासन द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे जिले के जरूरतमंद परिवारों के जीवन स्तर में निरंतर सुधार हो रहा है।

बताती हैं कि शासन की योजनाओं से उन्हें न केवल आवास का लाभ मिला, बल्कि अन्य योजनाओं से भी उन्हें सहयोग मिल रहा है। श्रीमती कमलेश्वरी को महतारी वंदन योजना के तहत प्रति माह 1000 रुपये की सहायता राशि मिल रही है। बीपीएल राशन कार्ड के माध्यम से उन्हें खाद्यान्न उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के हित में चलाई जा रही शासन की योजनाओं के लिए शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि शासन-प्रशासन द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे जिले के जरूरतमंद परिवारों के जीवन स्तर में निरंतर सुधार हो रहा है।

## शासन-प्रशासन के प्रयासों से पीवीटीजी समुदाय को मिल रहा लाभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। शासन-प्रशासन के सतत प्रयासों से जरूरतमंद परिवारों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत जनपद पंचायत राजपुर के ग्राम पंचायत भिलाईखुर्द की निवासी विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की श्रीमती कमलेश्वरी को पक्के आवास का लाभ मिला है।

वे बताती हैं कि पहले वे अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में रहते थे। आर्थिक रूप से सक्षम न होने

कारण यह सपना अधूरा ही लग रहा था। तब ग्राम पंचायत के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के बारे में जानकारी मिली। योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने आवेदन किया। आवेदन

उन्होंने धीरे-धीरे अपने पक्के मकान का निर्माण कार्य शुरू किया और समय पर राशि मिलने से उनका आवास पूर्ण हो गया। अब श्रीमती कमलेश्वरी अपने परिवार के साथ पक्के और सुरक्षित घर में रहती हैं। वे



## कलेक्टर ने मनरेगा एवं विकास कार्यों का किया निरीक्षण



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, उसे उल्लस नवभारत साक्षरता कार्यक्रम परियोजना अधिकारी मनरेगा केएम पाठक, सुरजपुर जनपद सीईओ, कार्यक्रम अधिकारी तथा टेक्निकल टीम के साथ जनपद पंचायत सुरजपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों में संचालित विकास एवं मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान टीम ने ग्राम पंचायत करमपुर एवं गोविंदपुर में मनरेगा अंतर्गत संचालित कार्यों का अवलोकन किया। यहां मिट्टी बांध, अमृत सरोवर, गली प्लग, कंटर ट्रेच तथा नाला सफाई के कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने सभी

कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के समन्वय से कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर भी जोर दिया। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत करमपुर में निर्मित अमृत सरोवर तथा मिट्टी बांध के जल का उपयोग कर किसानों द्वारा लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में की गई गेहूँ की खेती का भी अवलोकन किया और जल संरचनाओं के बेहतर उपयोग की सराहना की। इसके अलावा ग्राम पंचायत हर्दाटिकरा में संचालित खेलो इंडिया सेंटर का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने खेल प्रशिक्षक को खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर उन्हें राज्य स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही ग्राम पंचायत कोरिया में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने इसे महिला एवं बाल विकास विभाग को हस्तांतरित कर शीघ्र आंगनबाड़ी संचालन शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं सामाजिक अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों से अवगत कराया गया। ज्ञात हो कि इस क्यूआर कोड को स्कैन कर कोई भी नागरिक मनरेगा के कार्यों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकता है। ग्रामीण अपने मोबाइल से इन क्यूआर कोड को स्कैन कर मनरेगा अंतर्गत हुए कार्यों की स्वीकृति, पूर्णता, मजदूरी भुगतान, कार्यों पर हुए कुल व्यय जैसे समस्त जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। यह व्यवस्था मनरेगा कार्यों को नागरिकों के लिए पूरी तरह पारदर्शी और सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के समन्वय से कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर भी जोर दिया। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत करमपुर में निर्मित अमृत सरोवर तथा मिट्टी बांध के जल का उपयोग कर किसानों द्वारा लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में की गई गेहूँ की खेती का भी अवलोकन किया और जल संरचनाओं के बेहतर उपयोग की सराहना की। इसके अलावा ग्राम पंचायत हर्दाटिकरा में संचालित खेलो इंडिया सेंटर का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने खेल प्रशिक्षक को खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर उन्हें राज्य स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही ग्राम पंचायत कोरिया में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने इसे महिला एवं बाल विकास विभाग को हस्तांतरित कर शीघ्र आंगनबाड़ी संचालन शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं सामाजिक अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों से अवगत कराया गया। ज्ञात हो कि इस क्यूआर कोड को स्कैन कर कोई भी नागरिक मनरेगा के कार्यों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकता है। ग्रामीण अपने मोबाइल से इन क्यूआर कोड को स्कैन कर मनरेगा अंतर्गत हुए कार्यों की स्वीकृति, पूर्णता, मजदूरी भुगतान, कार्यों पर हुए कुल व्यय जैसे समस्त जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। यह व्यवस्था मनरेगा कार्यों को नागरिकों के लिए पूरी तरह पारदर्शी और सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

## रुनियाडीह में आठवीं के विद्यार्थियों को दी गई विदाई

बिश्रामपुर। प्रथम वस्तुमूक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों को केंद्रीकृत वार्षिक परीक्षा के लिए विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सरपंच सुमित्रा सिंह रहीं, जबकि अध्यक्षता उपसरपंच प्रेमलता राजवाड़े ने की। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि परीक्षा 17 मार्च से सुबह 9 से 12 बजे तक आयोजित होगी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को एडमिट कार्ड पालकों को उपस्थिति में वितरित कर उन्हें परीक्षा के लिए प्रेरित किया गया। सरपंच सुमित्रा सिंह व विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को पेन, पेंसिल सहित अन्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विद्यालय को सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए 15 बाई 30 फीट का ग्रीन मैट भी भेंट किया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, एसएमसी सदस्य, शिक्षक-शिक्षिकाएँ, पालक एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन



# भारतीय संस्कृति में धरती को मां का दर्जा, प्रकृति संरक्षण हमारी परंपरा : सीएम साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ देश की अर्थव्यवस्था का पावर इंजन है और अब हमारा राज्य ग्रीन इकोनॉमी के क्षेत्र में भी अपनी भूमिका लगातार मजबूत कर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित दूसरे छत्तीसगढ़ हरित शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ हरित सम्मेलन की उपयोगिता इसलिए और बढ़ जाती है क्योंकि इसके माध्यम से पॉलिसी मेकिंग से जुड़े लोग, उद्योग जगत, शैक्षणिक संस्थान, शोधकर्ता और पर्यावरणविद एक मंच पर आकर महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श

कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु संकट लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में यह आवश्यक है कि हम पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर केवल चिंतन ही न करें, बल्कि उन्हें व्यवहार में भी उतारें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार हमेशा से विरासत के साथ विकास की पक्षधर रही है। पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली हमारी हजारों वर्षों पुरानी परंपरा रही है और उसकी रक्षा के लिए सरकार नीतिगत स्तर पर लगातार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में स्टील उत्पादन का एक बड़ा केंद्र है और इस क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए ग्रीन स्टील जैसे नवाचारों को अपनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023 के अनुसार



संयुक्त वन एवं वृक्ष आवरण वृद्धि के मामले में छत्तीसगढ़ ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य सरकार की नीतियों के साथ-साथ प्रदेशवासियों की जागरूकता और पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारी का परिणाम है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य में सोलर रूफटॉप योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को ऊर्जादाता बनाया जा रहा है और बायो-एथेनॉल जैसे क्षेत्रों में भी निवेश को व्यापक संभावनाएं उभर रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियान चलाकर लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की संस्कृति में धरती को मां का दर्जा दिया गया है, इसलिए वन संसाधनों का उपयोग करते समय

पर्यावरण और धरती के स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू की है, जिससे समय और संसाधनों की बचत होने के साथ-साथ कागज के उपयोग में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जनजातीय बहुल राज्य है और लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित है। साय ने बताया कि वनांचल में वृक्षों को सरना (देवता) के रूप में पूजा जाता है और सरना को राजस्व रिकॉर्ड में भी देवस्थल के रूप में दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रकृति से जुड़ाव और उसके संरक्षण का भाव जनजातीय समाज से सहज ही सीखा जा सकता है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि राज्य की नई औद्योगिक नीति में हरित वन पर विशेष जोर दिया गया है और इस दिशा

में कार्य करने वाले उद्योगों को विशेष रियायतें भी दी जा रही हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट के मंच से प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने तथा इसकी शुरूआत स्वयं से करने का आन किया। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर सम्मेलन में प्रस्तुत शोभों के संकलन पर आधारित पुस्तक एबस्ट्रेक्ट, सम्मेलन की प्रमुख चर्चाओं पर आधारित हाइलाइट्स ऑफ द समिट तथा जनजातीय कहानियों और परम्पराओं पर आधारित पुस्तक कथा कंथली का विमोचन किया। इस अवसर पर मेघालय के लोकायुक्त सी पी मारक, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सचिदानंद शुक्ल, पीसीपीएफ व्ही श्रीनिवास राव, विबग्योर फाउंडेशन के अध्यक्ष शंखदीप चौधरी, विषय विशेषज्ञ, प्रोफेसर, प्रबुद्धजन, स्कालर और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

## अफीम की खेती पर सीएम की सख्ती, कलेक्टरों को सर्वे कर रिपोर्ट देने के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । राज्य में अवैध रूप से अफीम की खेती का मामले सामने आने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी जिलों के कलेक्टरों को अपने-अपने जिलों में संभावित क्षेत्रों का व्यापक सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि राज्य के किसी भी क्षेत्र में अवैध रूप से अफीम की खेती न हो रही हो। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि 15 दिवस के भीतर प्रमाण पत्र सहित विस्तृत जांच रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा



है कि राज्य में अवैध मादक पदार्थों के उत्पादन और कारोबार के प्रति सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है और ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मुख्यमंत्री के निर्देश के पालन

में आयुक्त भू-अभिलेख द्वारा राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को सर्वे कर जांच रिपोर्ट और उनके जिले में अफीम की खेती नहीं किए जाने संबंधी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के संबंध में पत्र जारी किया गया है।

## बिना वीजा रह रही दो रूसी युवतियां गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । राजधानी में अवैध रूप से रह रही दो रूसी युवतियों को तेलीबांधा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों युवतियां बिना वीजा के शहर में रह रही थीं। गिरफ्तार युवतियों के नाम दिनेरा और सारा बताए गए हैं। पुलिस ने बताया कि इनके खिलाफ वर्ष 2026 में भी मामला दर्ज किया गया था। पुलिस को आशंका है कि दोनों युवतियां देह व्यापार से जुड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकती हैं। हाल ही में हुए एक मामले की जांच के दौरान इस पूरे रैकेट का खुलासा हुआ था, जिसमें विदेश और अन्य राज्यों से लड़कियों को बुलाकर सेक्स रैकेट संचालित किए जाने की

जानकारी सामने आई थी। बताया जा रहा है कि वीआईपी रोड पर हुए हादसे और हंगामे के बाद पुलिस ने एक रूसी युवती और भावेश आचार्य नामक व्यक्ति से पूछताछ की थी। पूछताछ के दौरान युवती ने कई अहम खुलासे किए, जिसके बाद तेलीबांधा पुलिस और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने संयुक्त रूप से जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि तेलीबांधा और सरस्वती नगर क्षेत्र के कुछ होटलों में युवतियों से देह व्यापार कराया जा रहा था। इस मामले में पुलिस पहले ही 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

## रेलवे स्टेशन के बाहर 13 किलो गांजा के साथ प्रेमी-प्रेमिका गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । राजधानी में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर और उसकी महिला साथी को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से करीब 13 किलो से अधिक गांजा बरामद किया गया है। कार्रवाई गुड़ियारी थाना पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने की। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को थाना क्षेत्र के रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 7 के बाहर पार्किंग के पास से पकड़ा गया। दोनों अपने बैग में गांजा रखकर कहीं जाने की फिराक में थे। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम राजेंद्र प्रसाद और हेमलता



केवल बताया। जांच में सामने आया कि दोनों आपस में प्रेमी-प्रेमिका हैं और पुलिस से बचने के लिए पति-पत्नी बनकर यात्रा करते थे। पुलिस के अनुसार आरोपी उड़ीसा के खरियार रोड क्षेत्र से गांजा लाकर उत्तरप्रदेश के प्रयागराज ले जा रहे थे। तलाशी के दौरान उनके बैग से 13.156 किलोग्राम गांजा और तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे दो मोबाइल फोन जब्त किए गए। जन्त सामग्री की

कुल कीमत करीब 6 लाख 77 हजार 800 रुपये आंकी गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ गुड़ियारी थाने में नारकोटिक एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और तस्करी नेटवर्क के अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में गुड़ियारी थाना पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त टीम की अहम भूमिका रही।

## कलेक्टर अजीत वसंत ने पीएमश्री स्कूल का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर, कलेक्टर अजीत वसंत ने शुक्रवार को अम्बिकापुर के पीएमश्री विद्यालय सोहगा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय भवन, परिसर, कक्षाओं, लाइब्रेरी सहित बच्चों हेतु मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन किया। कलेक्टर श्री वसंत ने जिले में बेहतर शैक्षणिक सुधार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पीएम सैचुरेशन बिन्दुओं पर भी कक्षा में जाकर अवलोकन किया। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों से चर्चा कर पीएम सैचुरेशन बिन्दुओं पर जानकारी ली

तथा इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शिक्षकों की संख्या, विद्यार्थियों की संख्या व उपस्थिति सहित अन्य गतिविधियों की जानकारी ली गई। उन्होंने शिक्षकों से कहा की वे विद्यार्थियों के साथ नियमित संवाद बनाए रखें और पढ़ाई में नई व नवाचार शिक्षण पद्धतियों के साथ-साथ खेल-कूद भी अपनाएं। इससे विद्यार्थियों की रुचि पढ़ाई में बढ़ेगी एवं खेल-कूद से मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, जिससे जिले में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कक्षा में विद्यार्थियों के बीच बैठकर पढ़ाई से सम्बंधित चर्चा की और उनकी शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली।

## मेंझकला ग्राम पंचायत में विद्यार्थियों का अनुभवात्मक भ्रमण, स्वयं सहायता समूह की गतिविधियों से हुए रूबरू

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - ग्रामीण विकास और पंचायत व्यवस्था की जमीनी समझ विकसित करने के उद्देश्य से राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर तथा मुहिम फाउंडेशन द्वारा जिला पंचायत सस्गुजा के सहयोग से विद्यार्थियों का एक दिवसीय अनुभवात्मक अध्ययन भ्रमण आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को विकासखंड अम्बिकापुर के ग्राम पंचायत मेंझकला का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने पंचायत की विभिन्न स्थानीय संस्थाओं और गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने पंचायत स्तर पर संचालित विभिन्न योजनाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनके कार्यों को समझा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पंचायत प्रतिनिधियों से सीधे संवाद का अवसर भी मिला, जिससे उन्हें ग्रामीण प्रशासन और विकास कार्यों की प्रक्रिया को नजदीक से जानने का मौका मिला। कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायक और यादगार अनुभव विद्यार्थियों के लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ संवाद रहा। समूह की महिलाओं ने बताया कि

किस प्रकार स्वयं सहायता समूह केवल बचत और ऋण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के लिए सुरक्षा, सहयोग, आत्मविश्वास और सामूहिक शक्ति का मजबूत माध्यम बन चुका है। इस दौरान एक समूह सदस्य ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके लिए सशक्तिकरण का अर्थ जागरूक होना, अपनी सोच रखना, अपनी बात को आत्मविश्वास के साथ रखना और अपने निर्णय स्वयं लेने की क्षमता विकसित करना है। उनके अनुभवों ने विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन में नेतृत्व और सामुदायिक विकास की प्रेरणा प्रदान की।

## स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को राज्य सलाहकार ने जनपद पंचायत अम्बिकापुर, उदयपुर एवं लखनपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों का किया निरीक्षण

अम्बिकापुर - स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत निर्मित परिसरों एवं गतिविधियों की क्रियाशीलता सुनिश्चित करने हेतु स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह द्वारा गुरुवार को जनपद पंचायत अम्बिकापुर के ग्राम दरिमा तथा जनपद पंचायत उदयपुर अंतर्गत ग्राम पंडरीपानी, पलका, खोडरी तथा जनपद पंचायत लखनपुर के ग्राम अमगसी का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मिशन अंतर्गत क्रियात्मक कार्यों एवं घंटकों का अवलोकन किया।

## जेवर खरीदने आई महिला 5 लाख के गहने पहनकर फरार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । राजधानी के टिकरापारा क्षेत्र में एक सराफा दुकान से महिला द्वारा करीब पांच लाख रुपये के गहने लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। घटना गुरुवार दोपहर की बताई जा रही है। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टिकरापारा पुलिस के अनुसार देवपुरी सतनाम चौक स्थित मां दुर्गा ज्वेलर्स में दोपहर करीब 3 बजे एक महिला कमलेश्वरी साहू और उसके साथ एक पुरुष मेशराम साहू पहुंचे। दोनों ने दुकान संचालक से जेवर खरीदने की बात कहकर अलग-अलग

डिजाइन दिखाए को कहा। दुकान में मौजूद गहनों में से महिला ने रानी हार, कान की बालियां, अंगूठी, बिछिया और पायल पहनकर देखने की बात कही। गहने पहनने के बाद महिला ने कहा कि वह अपनी सहेली से पैसे लेकर तुरंत लौटती है और दुकान से बाहर चली गई। काफी देर तक वापस नहीं आने पर संचालक को शक हुआ। दुकान संचालक दुर्गा प्रसाद सोनी (58) के अनुसार महिला अपने साथ करीब 4.93 लाख रुपये कीमत के गहने लेकर फरार हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने रात करीब 10 बजे टिकरापारा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

# SANKALP पर आधारित होंगी राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं : श्याम बिहारी जायसवाल

## स्वास्थ्य मंत्री के विभागों के लिए 6 हजार करोड़ से अधिक की अनुदान मांगें पारित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ विधानसभा में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा तथा अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विभागों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 6976 करोड़ 54 लाख रुपये से अधिक की अनुदान मांगें पारित हो गई हैं। अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए विभागीय मंत्री जायसवाल ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं SANKALP पर आधारित होंगी। इसमें S-Strengthened Institutions (सशक्त संस्थान), A-Academic Excellence (उत्कृष्ट अकादमिक गुणवत्ता), N-Next Generation Research (नवोन्मेषी अनुसंधान), K-Knowledge & Clinical

Competency (कौशल एवं क्लिनिकल दक्षता), A-Advance Medical Facilities (आधुनिक चिकित्सा सुविधा), L-Life Saving Infrastructure (जीवन रक्षक अधोसंरचना) तथा P-Professional & Transparent Governance (पारदर्शी प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी) शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब प्रस्तुत करते हुए प्रदेश के सभी शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए केशलेस इलाज की योजना शुरू करने की बात कही। इसके लिए बजट में 100 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। मंत्री जायसवाल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि इस प्रदेश का हर जन स्वस्थ रहे। प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य

किया जा रहा है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों तक भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें। उन्होंने बताया कि गंभीर बीमारियों के उपचार को सुलभ बनाने के लिए प्रदेश में 25 नए डायलिसिस केंद्र स्थापित किए जाएंगे। साथ ही आम नागरिकों को सस्ती दवाईयां उपलब्ध कराने के लिए 50 जन औषधि केंद्रों का विस्तार किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रायपुर में प्रदेश का पहला होम्योपैथी कॉलेज स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा बिलासपुर में स्टेट कैन्सर इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी, जिससे कैन्सर मरीजों को अत्याधुनिक उपचार सुविधा प्रदेश में ही उपलब्ध हो सकेगी। मंत्री जायसवाल ने बताया कि रायपुर में मध्य भारत का



अत्याधुनिक कार्डियक इंस्टीट्यूट स्थापित करने की योजना है। यह संस्थान प्रदेश के नागरिकों को उच्च स्तरीय हृदय उपचार की सुविधा प्रदान करेगा। वहीं सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में अधोसंरचना विकास के लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया

गया है। इससे बाल हृदय उपचार सेवाओं को और अधिक मजबूत एवं व्यापक बनाया जा सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि अम्बिकापुर और धमतरी में जिला अस्पतालों के नए भवन बनाए जाएंगे। इसके अलावा रायपुर के कालीबाड़ी क्षेत्र में 200 बिस्तारों

वाला मातृ एवं शिशु चिकित्सालय तथा चिरमिरी में नया जिला अस्पताल बनाया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मानव संसाधन को मजबूत करने के उद्देश्य से दुर्ग, कोंडागांव, जशपुर और रायपुर में जीएनएम प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि रायपुर में मध्य भारत के सबसे आधुनिक इंटीग्रेटेड खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला के लिए 95 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस प्रयोगशाला के शुरू होने से राज्य को दिल्ली जैसे महानगरों पर निर्भरता खत्म हो जाएगी एवं छत्तीसगढ़ के साथ अन्य सीमावर्ती राज्यों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधाएं मिल सकेंगी। चर्चा के दौरान जायसवाल ने कहा कि राज्य में शीघ्र ही एम्बुलेंस की कमी दूर होगी। राज्य के सभी जिलों के लिए 300 नए एम्बुलेंस के लिए टेण्डर प्रक्रियाधीन है। इसके अतिरिक्त वेंटीलेटर युक्त 70 अत्याधुनिक एम्बुलेंस तथा

नवजात शिशुओं के लिए सर्वसुविधाजनक 10 अन्य एम्बुलेंस क्रय करने की प्रक्रिया भी शीघ्र ही पूर्ण कर ली जाएगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संचालनालय चिकित्सा शिक्षा हेतु 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रावधान किया गया है। नवीन पांच शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों (दंतेवाड़ा, मनेन्द्रगढ़, जशपुर, जांजगीर-चांपा और कबीरधाम) के लिए 1,240 पद तथा संबंधित चिकित्सालयों के लिए 500 पदों का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर के ट्रमा सेंटर भवन निर्माण के लिए भी बजट का प्रावधान किया गया है। चिकित्सा महाविद्यालयों और संबद्ध अस्पतालों में उपकरणों की खरीदी के लिए 50 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान रखा गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने चर्चा में कहा कि राज्य के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रावास निर्माण के लिए बजट में 83 करोड़ रूपए से अधिक का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, अम्बिकापुर तथा जगदलपुर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज के पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इस विभाग के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के लिए मांग संख्या 66 के तहत कुल 251 करोड़ 68 लाख 38 हजार रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

सम्पादकीय

# इच्छा मृत्यु पर कानून बनाए जाने की जरूरत

**भा**रत में इच्छामृत्यु का सवाल लंबे समय से कानूनी, नैतिक और मानवीय बहस का विषय रहा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने 13 वर्षों से कोमा में पड़े युवक हरीश राणा को पैसेव यूथनेशिया यानी इच्छामृत्यु की अनुमति देकर एक महत्वपूर्ण और मानवीय फैसला दिया है। यह निर्णय केवल एक व्यक्ति की पीड़ा से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक प्रश्न को भी सामने लाता है कि अस्थायी बीमारी और असहनीय पीड़ा झेल रहे व्यक्ति को क्या सम्मानपूर्वक मृत्यु का अधिकार मिलना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने एक बार फिर यह जरूरत रेखांकित कर दी है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर स्पष्ट और व्यापक कानून बनाया जाए, ताकि ऐसे संवेदनशील मामलों में न्यायिक और चिकित्सीय प्रक्रिया स्पष्ट हो सके। हरीश राणा की कहानी बेहद मार्मिक है। दिल्ली में जन्मे हरीश चंडीगढ़ स्थित पंजाब में बोटिंग के छात्र थे। वर्ष 2013 में हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरने के बाद उन्हें गंभीर चोटें आईं और वे कोमा में चले गए। डॉक्टरों ने उन्हें क्वाड्रिप्लेजिया से पीड़ित बताया, जिसमें मरीज के चारों अंग काम करना बंद कर देते हैं और वह पूरी तरह लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर निर्भर हो जाता है। पिछले 13 वर्षों से वे वेंटिलेटर और फीडिंग ट्यूब के सहारे जीवन जी रहे हैं। लंबे समय तक बिस्तर पर पड़े रहने से उनके शरीर पर गंभीर घाव बन गए हैं और उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। परिवार के लिए यह स्थिति मानसिक पीड़ा के साथ-साथ भारी आर्थिक बोझ का कारण भी बन चुकी है। इस मामले में शीर्ष कोर्ट ने निर्देश दिया कि लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए, ताकि मरीज की गरिमा बनी रहे। देश में इच्छामृत्यु को लेकर न्यायिक आधार पहले से मौजूद है। वर्ष 2011 में मुंबई की नर्स अरुणा रामचंद्र शानबाग के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार पैसेव यूथनेशिया को सीमित रूप में मान्यता दी थी। इसके बाद 2018 में एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए पैसेव यूथनेशिया को वैध ठहराया और 'लिविंग विल' को भी मान्यता दी। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि सम्मान के साथ जीवन का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आता है, इसलिए आवश्यक है कि संसद इस विषय पर स्पष्ट और व्यापक कानून बनाए। दुनिया के कई देशों में इच्छामृत्यु को लेकर अलग-अलग व्यवस्था है। दूसरी ओर कई बड़े देशों में इच्छामृत्यु को लेकर अभी भी कड़े प्रतिबंध हैं। अमेरिका में संघीय स्तर पर एक्टिव यूथनेशिया अवैध है, हालांकि कुछ राज्यों में डॉक्टर की सहायता से मृत्यु को सीमित अनुमति है। चीन और रूस जैसे देशों में इच्छामृत्यु पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसे कानूनन अपराध माना जाता है। इसी तरह पाकिस्तान में भी धार्मिक और कानूनी आधारों पर इच्छामृत्यु को पूरी तरह गैरकानूनी माना गया है। इन अंतरराष्ट्रीय उदाहरणों से स्पष्ट है कि दुनिया के अलग-अलग देशों ने अपने सामाजिक, सांस्कृतिक और कानूनी ढांचे के अनुसार इस विषय पर अलग-अलग रास्ते अपनाए हैं। भारत में भी कानून बनाते समय मानवीय संवेदन और कानूनी सुरक्षा के बीच संतुलन बनाकर साहजिक जरूरत होगी। यह सुनिश्चित करना होगा कि आर्थिक बोझ, पारिवारिक दबाव या संपत्ति विवाद के कारण किसी मरीज को जबरन इच्छामृत्यु की ओर न धकेला जाए।



**विश्लेषण**  
राज कुमार सिंह

मध्य पूर्व में भड़क रही जंग के लिए भी किसी एक पक्ष को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन शांति वार्ताओं के बीच ईरान पर हमले की शुरुआत निश्चय ही अमेरिका और इजराइल ने की। कभी जन संहारक हथियारों का हौवा खड़ा कर इराक पर हमला करने वाले अमेरिका के अब इस तर्क पर विश्वास कर पाना आसान नहीं कि ईरान उस पर हमला करने ही वाला था। राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मौत के घाट उतार कर इराक को लगभग बर्बाद कर दिया गया, लेकिन जन संहारक हथियारों का हौवा खड़ा कर इराक पर हमला करने वाले अमेरिका के अब इस तर्क पर विश्वास कर पाना आसान नहीं कि ईरान उस पर हमला करने ही वाला था। राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मौत के घाट उतार कर इराक को लगभग बर्बाद कर दिया गया, लेकिन जन संहारक हथियार आज तक नहीं मिले। पहले ही हमले में सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई को मार दिया गया, लेकिन ईरान के उन्नत परमाणु कार्यक्रम के प्रमाण अभी तक नहीं मिले हैं।

# जितनी लंबी जंग, उतने व्यापक दुष्परिणाम

जाहिर है, जंग एकतरफा नहीं हो सकती। इसलिए मध्य पूर्व में भड़क रही जंग के लिए भी किसी एक पक्ष को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन शांति वार्ताओं के बीच ईरान पर हमले की शुरुआत निश्चय ही अमेरिका और इजराइल ने की। कभी जन संहारक हथियारों का हौवा खड़ा कर इराक पर हमला करने वाले अमेरिका के अब इस तर्क पर विश्वास कर पाना आसान नहीं कि ईरान उस पर हमला करने ही वाला था। राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मौत के घाट उतार कर इराक को लगभग बर्बाद कर दिया गया, लेकिन जन संहारक हथियार आज तक नहीं मिले। 28 फरवरी को पहले ही हमले में सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत 40 प्रमुख लोगों को मार दिया गया, लेकिन ईरान के उन्नत परमाणु कार्यक्रम के प्रमाण अभी तक नहीं मिले हैं। जाहिर है, राजनीति की तरह कूटनीति में भी माहौल बनाने के लिए बहुत कुछ कह दिया जाता है, जिसका सच से कोई वास्ता नहीं होता। इजराइल के खुफिया सूचना तंत्र की बदौलत खामेनेई समेत शीर्ष नेतृत्व के चालीस सदस्यों को पहले ही दिन मार दिया जाने के बाद अमेरिका को लगा होगा कि ईरान में कठपुतली सरकार बनवाना बस एक-दो दिन का काम है, लेकिन 11 दिन से जारी जंग और विश्व पर उसके व्यापक असर से साफ हो गया कि वह आकलन गलत था। आर्थिक और सैन्य महारक्षित अमेरिका से जीत की गलतफहमी ईरान को नहीं होगी, लेकिन उसकी संप्रभुता एवं अस्तित्व रक्षा की जंग लंबी चल सकती है। कम आबादी के बावजूद इजराइल की उन्नत रक्षा तकनीक और सामर्थ्य किसी से छिपी नहीं है, लेकिन दोनों मिल कर भी ईरान पर काबू तो दूर, उसके जवाबी हमलों से बच तक नहीं पा रहे। 18-20 लाख रुपये लागत वाले ईरानी ड्रोन को मार गिराने के लिए अमेरिका को 35-37 करोड़ रुपये की मिसाइल चलानी पड़ रही है। अमेरिका का औसत युद्ध खर्च आठ हजार करोड़ रुपये प्रतिदिन आ रहा है। युद्ध के अन्य असर अलग हैं। जंग जितनी लंबी चलेगी, आर्थिक रूप से भी अमेरिका को भारी पड़ेगी। कभी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कहते हैं कि जंग चार-पांच सप्ताह चल सकती है तो कभी जल्द समाप्त होने की भविष्यवाणी कर कच्चे तेल की कीमतों में लगी आग बुझाने की कोशिश करते हैं। उधर, ईरान छह महीने की तैयारी की बात कह रहा है। हालांकि ऐसी जंग के बीच मृतकों की सही संख्या बता पाना मुश्किल होता है। फिर भी मान लें कि ईरानी बहुत ज्यादा संख्या में मारे जा रहे हैं, तो यह नहीं भूलना चाहिए कि अपने सैनिकों की सुरक्षा को लेकर अमेरिका ज्यादा संवेदनशील माना जाता है। जंग जारी रही और जमीन पर

भी उतरी तो ताबूत में स्वदेश लौटने वाले अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़ेगी ही। इजराइल की जंग में अवांछित अग्रणी भूमिका के विरोध में जारी प्रदर्शन, अपने सैनिकों की मौत से न सिर्फ और भड़के, बल्कि ट्रंप को उसकी भारी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी। व्यापारी मूलतः धैर्यवान माने जाते हैं, पर ट्रंप का उतावलापन किसी से छिपा नहीं है। ज्यादा पुरानी घटना नहीं है, जब ट्रंप ने फोर्स वन भेज कर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सपत्नीक उठवा लिया और खुद को वहां का कार्यवाहक राष्ट्रपति भी घोषित मीडिया पर लिखना शुरू कर दिया। खामेनेई के खान्ते के बाद



उन्होंने यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उन्हें मिलना चाहिए। किसी दूसरे देश का नेतृत्व खुद चुनने की सोच तानाशाही का मुंह बोलता प्रमाण ही है, लेकिन विश्व समुदाय मौन रहा। फिर भी जो हुआ, वह सबके सामने है। ट्रंप की धर्मकर्मियों के बावजूद ईरान ने खामेनेई के बेटे मौजतबा को ही अपना नया सर्वोच्च नेता चुना और मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले भी बदस्तूर जारी हैं। बेशक इससे मध्य पूर्व के ये इस्लामी देश ईरान के विरुद्ध हो जाएंगे, लेकिन वे तो पहले से ही अमेरिका का सैन्य अड्डा बने हुए हैं। वैसे खेद जताते हुए भी ईरान ने स्पष्ट कर दिया कि अगर वे उस पर हमलों के लिए लांचिंग पैड बनेंगे तो जवाबी हमले जारी रह सकते हैं। जाहिर है, इन देशों में अमेरिका ने सैन्य ठिकाने बनाये ही लांचिंग पैड की तरह इस्तेमाल के लिए हैं। अब इन देशों की सुरक्षा का दबाव अमेरिका पर अवश्य बढ़ रहा है। चीन और रूस द्वारा ईरान की मदद के अमेरिकी दावों का सच पता कर पाना आसान नहीं, लेकिन अगर अल्पस्थक रूप से भी ऐसा हुआ तो जंग लंबी खिंचना तय है। ईरान ने जिस तरह चीन और रूस के अलावा शेष विश्व के

लिए होमजुंग जल डमरूमध्य मार्ग बंद कर दिया है, उसके दो संदेश साफ हैं: एक, चीन और रूस के प्रति उसका मित्रता भाव। जाहिर है, ऐसी रियायत न मिलना भारत की कूटनीति पर सवाल भी खड़े करता है। दूसरा, इससे अन्य देशों की ऊर्जा चुनौतियां बढ़ेंगी, जो अमेरिका का जंग समाप्त का दबाव बना सकते हैं। 11 दिन की जंग में ही कई देशों में पेट्रोल-डीजल और गैस की किल्लत तथा आसमान छूती कीमतें भविष्य के गंभीर संकट का संकेत ही हैं। विश्व भर की ऊर्जा जरूरतों की लगभग एक-चौथाई आपूर्ति होमजुंग जल डमरूमध्य मार्ग से ही होती है, जिस पर ईरान का नियंत्रण है। खुद कभी भी और किसी भी देश पर हमला करना अपना अधिकार समझने वाले ट्रंप अंतरराष्ट्रीय जल मार्ग पर किसी का अधिकार न होने का तर्क देते हुए ईरान को और भी 20 गुना ज्यादा ताकत से हमले की धमकियां तो दे रहे हैं, पर उनका असर होने की उम्मीद नहीं दिखती। इराक और अफगानिस्तान समेत कई देशों में अमेरिकी सैन्य आक्रमण में भागीदार बनने वाले नाटो सदस्य देश इस बार ईरान पर हमले में साथ नहीं हैं। कुछ देशों ने तो अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल तक नहीं करने दिया। इसे विश्व व्यवस्था में अमेरिका के अलग-थलग पड़ने का संकेत भी माना जा रहा है। बेशक अहमयुता और साम्राज्यवाद अमेरिकी चरित्र का हिस्सा रहा है, लेकिन ट्रंप जिस तरह दुनिया को खुलेआम धमका रहे हैं, उसे वैश्विक व्यवस्था के लिए ही खतरे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए यह युद्ध चाहे-अनचाहे नई वैश्विक व्यवस्था की भूमिका भी लिखने जा रहा है। शायद यही कारण है कि भारत समेत कुछ देश जल्दबाजी में अपने पते नहीं खोलना चाहते। विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्र तथा आर्थिक एवं सैन्य महाराजित अमेरिका की हैसियत डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे राष्ट्रपति काल के बाद भी बरकरार रह पाएगी- इस पर अब संदेह और सवाल गहराने लगे हैं। गौरतलब है कि यूएस-इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग का असर केवल इन देशों तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि दुनिया के कई देश इसके दायरे में आ चुके हैं। मिडिल ईस्ट में तनाव से गैस आपूर्ति का खतरा मंडरा रहा है। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी इसका असर दिखाई दे सकता है। आने वाले समय में ये संकट और बढ़ा हो सकता है। स्ट्रेट ऑफ होमजुंग के बंद होने से जहाज फंसे हैं, जिसके कारण शिपिंग और फर्टिलाइजर के दाम बढ़ने की आशंका है। हालांकि इन चुनौतीपूर्ण हालात से निपटने के लिए भारत ने कूटनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं।

(लेखक विशिष्ट पत्रकार एवं सार्वजनिक विश्लेषक हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

अभियान

बलकार सिंह पूनियां



## महिला नेतृत्व से सुदृढ़

## होता जमीनी लोकतंत्र

**भा**रत का लोकतंत्र केवल संसद और विधानसभाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी वास्तविक शक्ति गांवों और स्थानीय समुदायों में स्थित पंचायती राज संस्थाओं में निहित है। जब स्थानीय स्तर पर शासन व्यवस्था मजबूत होती है, तब लोकतंत्र की जड़ें और गहरी होती हैं और विकास अधिक समावेशी बनता है। इसी दृष्टि से पंचायती राज मंत्रालय ने नई दिल्ली में पंचायतों की चुनौती हुई महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों का एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया है। 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' के अंतर्गत आयोजित इस सम्मेलन का केंद्रीय संदेश है- "सशक्त महिला, सशक्त पंचायत।" इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं को अधिक समावेशी बनाना तथा ग्रामीण शासन में महिला नेताओं की भूमिका को सामने लाना है। यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक वर्ष की उस प्रेरणादायी यात्रा का उत्सव है, जिसकी शुरुआत 4 मार्च 2025 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के संदर्भ में हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ग्राम पंचायतों में, विशेष रूप से महिला नेतृत्व को सशक्त बनाने के लिए क्षमता निर्माण और आत्मविश्वास बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। देश में पंचायती राज संस्थाओं में 14 लाख से अधिक महिला निर्वाचित प्रतिनिधि कार्य कर रही हैं। कई राज्यों ने महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत तक आरक्षण लागू किया है, जिससे महिला नेतृत्व का विस्तार और अधिक हुआ है। उल्लेखनीय बात यह भी है कि बिहार सहित कई राज्यों में महिलाएं आरक्षित सीटों के अतिरिक्त अनारक्षित सीटों पर भी निर्वाचित होकर सामने आ रही हैं, जो ग्रामीण राजनीति में बढ़ते आत्मविश्वास और सामाजिक परिवर्तन का संकेत है। पिछले एक वर्ष में 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की गई हैं। संशोधित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत वर्ष 2025-26 में कुल 6,81,758 महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त 'चैंपियनिंग ऑफ चेंज: स्थानीय शासन में महिला नेत्रियों का सशक्तिकरण' नामक विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से 1,21,512 महिला प्रतिनिधियों और मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य महिला प्रतिनिधियों को प्रशासनिक प्रक्रियाओं, निर्णय-निर्माण और स्थानीय शासन के व्यावहारिक पक्षों से परिचित कराना था। इसी क्रम में 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 744 मॉडल महिला-हितैषी ग्राम पंचायतों का चयन किया है। प्रत्येक जिले में एक ग्राम पंचायत को इस रूप में चिन्हित किया गया है ताकि वे महिला-केंद्रित शासन की मिसाल बन सकें। इन मॉडल महिला-हितैषी ग्राम पंचायतों के विकास के लिए 310 मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं, जो सरपंचों, पंचायत सचिवों और अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। हालांकि पंचायतों में महिलाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, फिर भी कुछ चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। कई स्थानों पर महिला प्रतिनिधियों को अपने अधिकारों और दायित्वों के निर्वहन में सामाजिक और संस्थागत बाधाओं का सामना करना पड़ता है। प्रांतीय प्रतिनिधित्व की समस्या भी कई राज्यों में देखी जाती है, जहां निर्वाचित महिला प्रतिनिधि के स्थान पर उनके पति या अन्य पुरुष रिश्तेदार निर्णय लेते हैं।

इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए पंचायती राज मंत्रालय ने "से नो टू प्रोब्लेमी सरपंच" नामक राष्ट्रव्यापी सोशल मीडिया अभियान शुरू किया है, जो 8 से 18 मार्च 2026 तक चलाया जा रहा है। यह सम्मेलन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सहकर्मी-अधिगम और श्रेष्ठ प्रथाओं के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करेगा। साथ ही उल्लेख महिला पंचायत नेत्रियों को 'बॉकन महिला नेत्री' के रूप में सम्मानित किया जाएगा, ताकि उनके कार्यों से अन्य प्रतिनिधियों को प्रेरणा मिल सके। अंततः यह कहा जा सकता है कि 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' भारत के जमीनी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं तो शासन अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और समावेशी बनता है। पंचायतों में महिला प्रतिनिधियों को वास्तविक अधिकार और अवसर प्रदान करना केवल लैंगिक समानता का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विकास की अनिवार्य शर्त है। यह राष्ट्रीय सम्मेलन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो महिला नेतृत्व के माध्यम से सशक्त पंचायत और सशक्त ग्रामीण भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

(लेखक सशक्त प्रोफेशनल इन्वेंटर हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

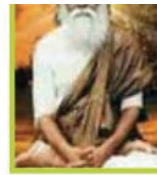
## सच बोलना सबसे बड़ी तपस्या

सत्य ही सर्वस्व है। सत्य के बिना सदाचार, दान, कीर्ति, धन किसी काम के नहीं। जहां सत्य होगा, वहां वे सभी होंगे। सत्य परमात्मा है। सत्य प्रभु से भिन्न नहीं है। सत्य के द्वारा मनुष्य ईश्वर के निकट जा सकता है। जंगलों, पहाड़ों और वीरानों में एकांतवास करना तपस्या नहीं है। जीवन में सच बोलना और सच की राह पर चलना ही सबसे बड़ी तपस्या



संकलित दर्शन

है। धर्म के चार पद हैं- सत्य, तप, दया और पवित्रता। इन चार चरणों में सत्य सर्वोपरि है। महाभारत में राजा सत्यदेव की कथा आती है। एक दिन राजा ने स्वप्न देखा कि चंचला लक्ष्मी उनके महल से कुछ समय पश्चात चली जाएगी। एक दिन सुबह जब सत्यदेव उठे, तो उन्होंने एक सुंदर स्त्री को घर से निकलते देखा। राजा ने आश्चर्य से उस स्त्री से पूछा, 'आप कौन हैं?' जवाब मिला, 'मेरा नाम लक्ष्मी है। अब मैं इस घर से जा रही हूँ। राजा ने कहा कि आप जा सकती हैं। लक्ष्मीजी चली गईं। उसके पीछे एक सुंदर पुरुष को बाहर जाते देखकर राजा ने पूछा, आप कौन हैं?' उत्तर मिला, 'मेरा नाम दान है। लक्ष्मी के जाने के बाद आप दान नहीं कर सकेंगे, इसलिए मैं आपका घर छोड़ कर जा रहा हूँ। राजा ने कहा कि आप भी जा सकते हैं। इसके बाद तीसरा सदाचार और चौथा यश, पुरुष के रूप में बाहर आए। राजा के पृष्ठने पर लक्ष्मी तथा दान के साथ जाने की कहने पर राजा ने दोनों को जाने दिया। जब पंचाच पुरुष सत्य जाने लगा, तो राजा ने हाथ जोड़ विनयपूर्वक कहा, 'मैंने तो आपका कभी त्याग नहीं किया। आप मुझको किसलिए छोड़ रहे हैं?'



संकलित प्रेरणा

## अंतर्गम



## आज की पाती

### प्रकृति स्वरूपा है नारी ब्रह्मांड का आधार है नारी

प्रति वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिलाओं की सुरक्षा के दृष्टे किर जते हैं, लेकिन धरतल की सच्चाईयां बहुत ही खोफनाक हैं। महिलाओं पर जुल्म बढ़ते ही जा रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि नारी प्रकृति स्वरूपा है, नारी ब्रह्मांड का आधार है, नारी जगत जननी है, न कजबूर न समझो इसे बेवारी। स्त्रीजन एक खूबसूरत यात्रा है। इसी यात्रा में हम संघर्ष करते हुए सदैव गतिमान रहते हैं। -विजय राजपूत, गिलाई

## करंट अफेयर

### मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर बुधवार को उस समय अटकलें तेज हो गईं जब ईरान के राष्ट्रपति के बेटे ने उनके 'घायल होने' संबंधी समाचार सुनने की बात कही। मोजतबा (56) इजराइल और अमेरिका के हमलों में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे हैं। ईरान में मोजतबा लंबे समय से एक रहस्यमय शरिफसयत रहे हैं। उनके पिता एवं पत्नी की 28 फरवरी को इजराइली हवाई हमले में मौत हो गई थी और उसी हमले के बाद युद्ध शुरू हुआ। इसके बाद से मोजतबा सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं और सोमवार को सर्वोच्च नेता बनने के बाद से उन्होंने कोई बयान भी नहीं दिया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेथिकयन के बेटे यूसुफ पेजेथिकयन ने टेलीग्राम ऐप पर रात में एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'मैंने मोजतबा के घायल होने की खबरें सुनीं। मैंने उनके संपर्क में रहे मित्रों से इसके बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि 'अल्लाह का शुक्र है, वह स्वस्थ है और कोई समस्या नहीं है।'



## ऑफ बीट

### 'भारत टैक्सी' का जल्द ही सभी बड़े शहरों में विस्तार

सरकार ने बुधवार को कहा कि सहकारी क्षेत्र की परिवहन सेवा 'भारत टैक्सी' का अगले दो से तीन वर्षों में देश के सभी बड़े शहरों और तालुका तक विस्तार किया जाएगा। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सहकारी समितियों द्वारा रोजगार सृजन से जुड़े पूरक सवालों के जवाब में सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल ने कहा कि 'भारत टैक्सी' की शुरुआत झारखंड को सशक्त बनाने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा, इसकी बुकिंग मोबाइल ऐप के माध्यम से आसानी से की जा सकती है। इसमें सुरक्षा की पूरी गारंटी और पूर्ण पारदर्शिता है। इसे दिल्ली पुलिस के साथ भी संबद्ध किया गया है। मंत्री ने बताया कि 'भारत टैक्सी' फिलहाल दिल्ली-पनसीआर के अलावा गुजरात के अहमदाबाद, राजकोट, सोमनाथ और द्वारका में संचालित हो रही है। उन्होंने कहा, अगले दो या तीन वर्षों में इस सेवा को सभी बड़े शहरों और तालुका तक पहुंचाया जाएगा। अब तक इसके साथ चार लाख ड्राइवर पंजीकृत हो चुके हैं। पिछले महीने केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'भारत टैक्सी' सेवा की शुरुआत की थी, जो सहकारी आधार पर संचालित देश का पहला 'राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म' है।

## ट्रेंड्स

### विनय श्रद्धांजलि

स्वर्ग, स्वर्ग एवं राष्ट्रस्था हेतु आने प्राणों का उत्सर्जन करने वाले महान कथा धरमप्रति सभगी महाराज के बलिदान दिवस पर विनय श्रद्धांजलि। राष्ट्रधर्म की वेदिए पर उन्नत सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास में वीरता, त्याग एवं स्वाभिमान का स्वर्णिम अध्याय है। - योगी आदित्यनाथ, सौजन, उप

### सिविक सेंस

कुछ लोग जब सड़क के अंदर आते हैं तो सिविक सेंस, कॉन्सिडरेशनल सेंस और उन्नत सेंस लैस हो जाते हैं। राहुल गांधी को लगता है कि विनय उनके लिए नहीं है, विनय उनके है। -अनुराग टाकूर, सांसद, भाजपा

### रसोई गैस संकट

देश में रसोई गैस आपूर्ति पर गहराता संकट बेहद चिंताजनक है। गौरी सरकार इस संभावित राष्ट्रीय संकट को लेकर नौ हफ्ता की तरह लापरवाह और अश्वेतनशील बनी हुई है। संभव रहते स्थिति का अकलन ना कर पाना चैट सरकार का राष्ट्र 'कलैक्टिव फेलिटी' है। -अशोक महलोन, पूर्व सीएम, राजस्थान

### कच्चे माल की सुरक्षा

भारत को ऐसे युद्ध के प्रतिकूल परिणामों का सामना करते देखना रूढ़त है, जिससे हजारों कोड़ों लेना-देना नहीं है, खासकर कच्चे माल की सुरक्षा के तर्कों में। हने अपने तेल, तंबा, सोने या किसी अन्य पद संसाधन को आयात नहीं करना पड़ता। -अनिल अंबवाल, उद्यमी





रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चों, कुछ जीव-जंतु अपने रहने के लिए ऐसे आवास बनाते हैं, जिन्हें देखकर तुम दंग रह जाओगे! तुम यही सोचोगे कि इन्होंने इतनी अमेजिंग होम मैकिंग इंजीनियरिंग आखिर सीखी कहां से? जानो, ऐसे ही कुछ जंतुओं के अनोखे घरों के बारे में।

# इंजीनियरिंग का कमाल है इन जंतुओं के अनोखे घर



प्रेयरी डॉग्स जमीन के भीतर अंडरग्राउंड सिटी

बच्चों, नाम से कंप्यूटर मत होना! प्रेयरी डॉग्स असल में डॉगी नहीं, बल्कि गिलहरी परिवार के सदस्य हैं, जो जमीन के नीचे अद्भुत अंडरग्राउंड शहर बसाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी इंजीनियरिंग इतनी सटीक होती है कि इसी शहरों का ड्रेनेज सिस्टम भी इसके सामने फेल हो जाए। इनके बनाए विशाल 'टाउन' केवल एक बिल नहीं, बल्कि हजारों मील में फैले भूमिगत शहर जैसे होते हैं। टेक्सास (अमेरिका) में एक बार 25,000 वर्ग मील में फैला इनका एक टाउन पाया गया था, जिसमें लगभग 40 करोड़ प्रेयरी डॉग्स रहते थे। ये शहर पौधों तक चलते हैं। इनके घर में अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग कमरे होते हैं, जैसे- बच्चों के लिए 'नर्सरी', सोने के लिए 'बेडरूम', खाना रखने के लिए 'स्टोर रूम' और यहां तक कि कचरे के लिए अलग जगह होती है। प्रवेश द्वार के पास एक 'लिविंग पोस्ट' भी होता है, जहाँ से वे शिकारियों पर नजर रखते हैं। प्रेयरी डॉग्स अपने बिल के मुहानों को अलग-अलग ऊंचाई पर बनाते हैं। इससे दबाव में अंतर पैदा होता है, जिससे ताजी हवा अपने आप सुरंगों के अंदर घुमती रहती है। यह एक बेहतरीन वेंटिलेशन इंजीनियरिंग का उदाहरण है। ये बिल एक प्रवेश द्वार पर मिट्टी के ऊंचे टीले बनाते हैं। ये टीले न केवल इन्हें ऊंचाई से शिकारियों को देखने में मदद करते हैं, बल्कि बारिश के पानी को सुरंग के अंदर जाने से भी रोकते हैं। \*



ऑस्ट्रेलिया और न्यू गिनी में पाए जाने वाले बोवर बर्ड का अपना घर बनाने का तरीका बड़ा ही अनोखा होता है। बोवर बर्ड अपना बोवर यानी घर बनाने के साथ-साथ उसमें इंटीरियर डिजाइन भी करता है। उसे सजाता है, संवाराता है। दिलचस्प बात यह है कि यह बोवर इनका असली घोंसला या आवास नहीं होता है। मादा पक्षी अंडे देने के लिए अलग घोंसला बनाती है। नर बोवर बर्ड, यह सुंदर महलनुमा घर केवल मादा को प्रभावित करने के लिए बनाता है। नर पक्षी टहनीयों को जमीन में गाड़कर दो समानांतर दीवारें बनाता है, जो एक गलियारे जैसी दिखती हैं। बोवरबर्ड की कुछ प्रजातियां तो टहनीयों से

## बोवर बर्ड इंटीरियर डिजाइनिंग की मिसाल



ऊंचे 'मेहराब' भी बनाती हैं। बोवर बर्ड अपनी सजावट के लिए बहुत चूजी होते हैं। साटन बोवर बर्ड को नीला रंग इतना पसंद है कि वह अपने घर के सामने नीले फूल, नीले पंख और यहां तक कि इसानों द्वारा फेंकी गई नीली प्लास्टिक की बोतल के टुकड़ों और पेन जैसी चीजों भी इकट्ठा करते हैं। कुछ बोवर बर्ड अपनी चोंच से फलों के रस या लकड़ी के कोयले को चबाकर 'पेंट' तैयार करते हैं और अपने घर की दीवारों को रंगते हैं। ये पक्षी अपने आंगन में पत्थरों और वस्तुओं को इस तरह क्रम में सजाते हैं (बड़ी चीजें पीछे, छोटी आगे) कि जब मादा बीच में खड़ी होती है, तो उसे नर पक्षी और उसका घर ज्यादा बड़ा और भव्य दिखाई देता है। इस तकनीक को 'फोर्सड पर्सपेक्टिव' कहा जाता है। \*

## डाइविंग बेल स्पाइडर पानी के तल पर हवेली

यह दुनिया की एकमात्र ऐसी मकड़ी है, जो अपना पूरा जीवन पानी के नीचे बिताती है। यूरोप और एशिया के देशों में नदी-तालाबों के तल पर रहने वाली इस मकड़ी के द्वारा बनाई गई 'पानी के नीचे की हवेली' की तकनीक किसी चमत्कार से कम नहीं लगती है। यह मकड़ी पानी के नीचे पौधों के बीच रेशम का एक जाल बुनती है। फिर वह सतह पर जाकर अपने शरीर के पिछले हिस्से और पैरों पर लगे घने बालों की मदद से हवा का एक बुलबुला फंसाकर नीचे लाती है। इस हवा को वह अपने जाल के नीचे छोड़ देती है, जिससे वह एक बेल (घंटी) की तरह फूल जाता है। यह बुलबुला एक 'फिजिकल गिल' की तरह काम करता है। यह पानी से ऑक्सीजन सोखता है और कार्बन डाई-ऑक्साइड को बाहर निकालता है। इस वजह से मकड़ी को बार-बार हवा लेने के लिए सतह पर नहीं जाना पड़ता। इसी हवा भरे बुलबुले के अंदर यह मकड़ी सोती है, खाना खाती है और अंडे देती है। उसका यह घर तैरकर ऊपर न चला जाए, इसके लिए वह इसे रेशमी धागों से जलीय पौधों से मजबूती से बांध देती है। शिकार करने के लिए यह मकड़ी बस अपने पैरों को बुलबुले से बाहर निकालती है और पास से गुजरने वाले कोड़े को पकड़ लेती है। \*



## कोरल पॉलिप्स विशाल-मजबूत कॉलोनियां

कोरल पॉलिप्स, समुद्र के वे अदृश्य कलाकार होते हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी और सुंदर जीवित प्रवाल भित्तियां (कोरल रीफ) बनाते हैं। यह किसी चमत्कार से कम नहीं है कि चावल के दाने जितने छोटे जीव अंतरिक्ष से दिखने वाले ऊंचे 'पहाड़' खड़े कर देते हैं। प्रत्येक कोरल पॉलिप्स अपने चारों ओर कैल्शियम कार्बोनेट (चूना पत्थर) का एक कठोर कवच बनाता है। जब ये पॉलिप्स मर जाते हैं, तो उनके कठोर कंकाल वहीं रह जाते हैं, और नए पॉलिप्स उनके ऊपर अपना घर बनाना शुरू कर देते हैं। हजारों सालों की इस प्रक्रिया से विशाल कोरल रीफ का निर्माण होता है। \*



## रूफस हॉनेरो मिट्टी के ओवन जैसा घोंसला

दक्षिण अमेरिका में पाया जाने वाला पक्षी रूफस हॉनेरो, अपने मिट्टी से बने घर के निर्माण के लिए प्रसिद्ध है। बच्चों, इस पक्षी की कलाकारी देखकर तुम दंग रह जाओगे। रूफस कीचड़, गोबर और सूखी घास को मिलाकर एक गोल घर बनाता है। इसका आकार पुराने जमाने के मिट्टी के ओवन जैसा दिखता है, इसलिए इसे 'हॉनेरो' कहा जाता है। स्पेनिश में 'हॉनेरो' का मतलब ओवन होता है। जब यह मिट्टी का घोंसला धूप में सूखकर सख्त हो जाता है, तो यह कंक्रीट जैसा मजबूत हो जाता है। भारी बारिश और तेज हवाएं भी इसे नहीं तोड़ पातीं। यह घोंसला शिकारियों से सुरक्षा के लिए एक किले की तरह काम करता है। इसका द्वार भूल-भुलैया जैसा होता है। इसके घोंसले का दरवाजा सीधा अंदर नहीं खुलता। इसके अंदर एक घुमावदार दीवार होती है, जो अंग्रेजी अक्षर 'पी' आकार का रास्ता बनाती है। यह दीवार उंडी हवा को सीधे अंदर जाने से रोकती है। साथ ही सांभों जैसे शिकारियों के लिए बच्चों तक पहुंचने से सुरक्षित रखती है। रूफस हॉनेरो, अकसर बिजली के खंभों, ऊंचे पेड़ों या इमारतों के कोनों पर अपना घर बनाते हैं। \*



में 'हॉनेरो' का मतलब ओवन होता है। जब यह मिट्टी का घोंसला धूप में सूखकर सख्त हो जाता है, तो यह कंक्रीट जैसा मजबूत हो जाता है। भारी बारिश और तेज हवाएं भी इसे नहीं तोड़ पातीं। यह घोंसला शिकारियों से सुरक्षा के लिए एक किले की तरह काम करता है। इसका द्वार भूल-भुलैया जैसा होता है। इसके घोंसले का दरवाजा सीधा अंदर नहीं खुलता। इसके अंदर एक घुमावदार दीवार होती है, जो अंग्रेजी अक्षर 'पी' आकार का रास्ता बनाती है। यह दीवार उंडी हवा को सीधे अंदर जाने से रोकती है। साथ ही सांभों जैसे शिकारियों के लिए बच्चों तक पहुंचने से सुरक्षित रखती है। रूफस हॉनेरो, अकसर बिजली के खंभों, ऊंचे पेड़ों या इमारतों के कोनों पर अपना घर बनाते हैं। \*

## कविता / शादब आलम क्या कहने चावल के



अपनी सहेली रूठ जाए तो दिल में टीस होगी ही। अकिता अपनी सहेली अबीहा से रूठ गई। लेकिन कुछ देर बाद अबीहा ने जो किया, अकिता

कहानी क्षमा शर्मा

कैरम की रानी गोटी (क्वीन) और अन्य गोटियों ने ऐसा घमंड जागा कि दोनों अपना-अपना महत्व जताते हुए बोलती कि वे ना हों तो कैरम खेलना मुमकिन

क्या कहने चावल के भाई कम है, जितनी करो बड़ाई। इसे दूध के साथ मिलाकर गसा बहुत आता है खाकर। अगर राजगा चावल पाऊं तीन प्लेट भरकर मैं खाऊं। बने पुलाव जब घर में अपने कोना-कोना लगे मकड़ने। कड़ी और चावल की गोड़ी नहीं किसी ने अब तक तोड़ी।



घूम-घूम कर बेचे भोले बड़े गजब के चावल छोले। रोज नानी के घर जाता हूं रोज टढ़ी चावल खाता हूं। आज बनी है घर में तहरी सुनकर खुश हो गई सुनहरी।

## तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

### मजेदार कहानियां

बच्चों, हाल में छपकर आई 'होलू का दिमाग चलता है' पहली कहानी 'होलू का दिमाग चलता है' में तुम जिज्ञासु-नटखट होलू के एक से बढ़कर एक काल्पनिक और गूढ़गुदाते प्रश्नों को पढ़कर हंसे बिना नहीं रहोगे। 'हवा ने चांटा माया' अर्थ से हवा की काल्पनिक बातचीत पर आधारित कहानी है। बोलने में अटकने वाली मुन्नी बच्चों उदास हो जाती है, कैसे फिर से खिलखिलाने लगती है? इसे तुम 'भाड़ू में जाए' कहानी में पढ़ सकते हो। 'मैं लौट आया' सपने में पक्षी बनकर उड़ते हुए पड़ोसी देश की यात्रा करने वाले बच्चे की प्यारी सी कहानी है। यह कहानी अलग-अलग देशों के बीच होने वाली शत्रुता पर भोले-भाले सवाल पूछती है। किताब की अन्य कहानियां भी बहुत रोचक और सीख देने वाली हैं। \*

किताब: होलू का दिमाग चलता है, लेखक: दिविक रमेशा मूर्य: 175 रुपए, प्रकाशक: अनबाउंड किट्ट, दिल्ली

## जीके विज-196

- दिल्ली का नया लीफ्टवेट गवर्नर किसे नियुक्त किया गया है?
- हाल ही में किस देश की क्रिकेट टीम को इस्किमि भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता?
- पेस के 93 वे बौद्ध नास्टर बनने वाले इंडियन चैस एक्सपर्ट का नाम क्या है?
- शिव जल दिवस कब मनाया जाता है?
- महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश किस स्थान पर दिया था?
- हमारे पड़ोसी देशों में कौन कौन राजधानी का क्या नाम है?
- सत्री पदावत सन्तान देने के किस रजाम सुपाक का महत्वपूर्ण योगदान था?
- भारतीय संसद के उच्च सदन को किस नाम से जाना जाता है?
- पद्मश्री किशु के नाम से किस इंडियन एथलीट को जाना जाता है?
- टाइटन किस वाह का उपनाम है?



बच्चों, जीके विज-196 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके विज-195 का उत्तर : 1.केरलम, 2.सचिन तेंदुलकर, 3.रॉब जेटन, 4. 20 मार्च, 5.नारंगी, 6.कार्बन डाई ऑक्साइड, 7.किडनी, 8.तैलियम, 9.आर्केटिक महासागर, 10.समुद्रगुप्त

जीके विज-195 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, कुणाल-रोहतक, आस्था-दिल्ली, अजय-सिरसा, प्रवीण-इमेल से, रमेश-रायगढ़, तेजस-रायपुर, सुमन-महेंद्रगढ़, मुकेश-जौड़, चंचल-दिल्ली, किशन-बिलासपुर, सचिन-रोहतक

का सारा नाराजगी पल भर में दूर हो गई। एक प्यार-भाई कहानी।

## रूठ गई सहेली

छोटी कहानी सिराज अहमद

आज अकिता अपनी सबसे प्यारी दोस्त अबीहा से रूठ गई थी। वजह बहुत छोटी थी, पर उसका असर बड़ा हो गया। सुबह स्कूल में अकिता थोड़ी देर से पहुंची, तब तक अबीहा ने सोचा कि शायद वह आज नहीं आएगी, छुट्टी पर है। इसलिए उसने अपनी दूसरी क्लासमेट को अपने बगल में बैठा लिया। थोड़ी देर बाद अकिता आ गई। उसने अबीहा के बगल में दूसरी लड़की को बैठे देखा तो उसका चेहरा उतर गया। अकिता को लगा कि अबीहा ने उसकी जगह किसी और को दे दी। उसने कुछ कहा नहीं, लेकिन मन ही मन अबीहा से नाराज हो गई। लंच टाइम हुआ तो दोनों, जो हमेशा साथ बैठकर खाना खाती थीं, आज अलग-अलग बैठी थीं। अबीहा को यह बहुत बुरा लग रहा था। उसे अपनी दोस्त को चुपकी कार्टने लगी। तभी उसे कुछ याद आया। अबीहा ने टिफिन खोला, अंदर मीठे परांठे थे, वही पहले तुम खा लो। अकिता ने एक टुकड़ा खाया और हंसते हुए क्लास में दौड़ पड़ी। उसके पीछे-पीछे अबीहा भी दौड़ने लगी। क्लास की बाकी बच्चियां हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं। कुछ देर बाद दोनों थककर साथ बैठ गईं। टिफिन के परांठे बांटकर खाने लगीं। गुस्सा कहीं उड़ गया था। मीठे परांठों की खुशबू ने एक बार फिर उनकी दोस्ती में मिठास छोल दी थी। \*

## रंग भरो-197

रंग भरो-197 में दिए गए विषय को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से समझ कर हने भेजा। उन्होंने से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चों के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।



आदित्य और अंशु के पास एक कैरम बोर्ड था। अकसर शाम को बाहर खेलने जाने से पहले दोनों कैरम खेलते थे। बहुत बार वे बाहर न जाकर सिर्फ कैरम ही खेलते रहते थे। एक बार कैरम की गोटियों में आपस में बहस हो रही थी कि अगर वे न हों तो कोई कैरम खेल ही नहीं सकेगा। गुलाबी रंग की रानी गोटी यानी क्वीन इन सब की बातें सुन इतरा कर बोली, 'बड़ी चली हो महारानी बनने। जानती नहीं कि तुम सबकी रानी तो मैं ही हूँ। मैं न होऊं तो तुम सब कुछ नहीं कर सकोगे।' एक गोटी को लड़ाकू थी, वह झिड़ककर बोली, 'तुम तो बस दिखाने भर की रानी हो। अपने बल पर तो अकेली बोर्ड से बाहर भी नहीं निकल सकती। हमेशा अपने पीछे हम में से कोई एक चाहिए कवर करने के लिए।' 'अरे रहने दो! अपने आप ही पिछलग्गू बनी चली आती हो मेरे पीछे। ना भी आओ तो मेरा क्या बिगड़ेंगा? रहूंगी तो मैं रानी ही।' रानी की अकड़ भरी बात सुनकर बाकी गोटियों को बहुत गुस्सा आया। सबने मन ही मन तय किया कि रानी को सबक सिखा कर रहेंगे। अब जैसे ही दो बच्चे कैरम खेलने बैठे, गोटियां फटाफट बाहर निकलने लगीं। लेकिन जैसे ही रानी बाहर निकलती बाकी गोटियां जैसे बोर्ड पर जम जातीं। चाहे जितना स्ट्राइक मारो, वे टस से मस न होतीं। इससे बच्चे बार-बार रानी गोटी को बोर्ड पर पटकते, जिससे उसे चोट भी लगती। वह दर्द से कराहती। बाकी गोटियां इस दशा पर मुस्करातीं, 'अरे! रानी है, कर लेगी न सब अपने आप।' इन सब गोटियों में एक गोटी ऐसी भी थी, जिसे रानी को देख तकलीफ होती। एक दिन उसने अपनी सहेली गोटियों से कहा, 'हम सबने रानी को बहुत सजा दे ली। लेकिन अब

नहीं। तभी एक समझदार गाटा न ऐसा कुछ कहा कि रानी गाटा और अन्य सभी गोटियां अपनी बहस मूलकर आपस में धुल-मिल कर हंस-हंस कर नाचने लगीं। आखिर उस समझदार गोटी ने ऐसा क्या कहा?

## नाचने लगीं गोटियां



इस लड़ाई को खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि यह भी तो हो सकता है कि हमसे खेलने वाले बच्चे हमारी हरकतों से तंग आकर दूसरी गोटियां ले जाएं और हमें कूड़ेदान में फेंक दिया जाए। तब हम सबका क्या होगा, तुमने सोचा है? यहां तो हम सब आराम से रहते हैं। गर्मी, सर्दी, बरसात सबसे बचे रहते हैं। बाहर की दुनिया कैसी होगी, क्या पता? कूड़ेदान में से उठाकर किसी ने हमें आम में जला दिया तो... तब हमारा क्या होगा? आखिर बनी तो हम लकड़ी से ही हैं।' उस गोटी की बातें सुन कर सारी गोटियां सोच में पड़ गईं। सबने देखा कि रानी गोटी के आंसू बह रहे थे। वह बोली, 'वैसे तो मैं रानी हूँ, लेकिन मुझे यह बात क्यों समझ में नहीं आई कि गलती मेरी ही थी। सबने रानी को बहुत सजा दे ली। लेकिन अब

## रंग भरो 198

बच्चों, यहां एक छोटे-से एक्वेरियम में मछली को पाला जालती एक लड़की का बचक एक एडवेंचर चित्र दिया गया है। इस चित्र को मजबूत रंगों से रंग कर हने भेजो। जिस बच्चे का चित्र सफ़ेद होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हवी इस पते पर भेजो: सापाठक-प्रीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, टाटाघाट रोड, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर भेजें।



# घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग व कालाबाजारी करने वालों पर प्रशासन की कार्रवाई

58 नग सिलेंडर, 2 रिफिलिंग नोजल, 2 तौल कांटा किया गया जप्त

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर।** जिले में घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग व कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश पर पिछले दो दिनों से जिले भर के विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं व्यवसायियों के गोदामों में राजस्व व खाद्य विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से छापेमारी कार्रवाई की जा रही है। बताया गया है कि प्रशासन की इस कार्रवाई में 54 नग में घरेलू एवं व्यवसायिक गैस टैंकी जप्त की गई है। बीते गुरुवार को जहां जिले में 8 प्रकरण में 24 नग तो शुक्रवार को 9 प्रकरण में 34 नग सिलेंडर जप्त किया गया है। जिला मुख्यालय में तहसीलदार सूर्यकांत साय व खाद्य निरीक्षक नितेश कुमार के साथ राजस्व व खाद्य अमले ने गोदु होटल, पंडित होटल, होटल मद्रास तथा आनंद रिहंदम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोल्

होटल से 06 नग उपयोग किए गए घरेलू गैस सिलेंडर तथा आनंद रिहंदम के किचन कक्ष से उपयोग पर जप्त किया गया है। वहीं भैयाथान में राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने



01 नग उपयोग किया हुआ घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किया गया, जिन्हें टीम द्वारा जप्त कर लिया गया। इसी प्रकार प्रतापपुर में टीम द्वारा होटलों से 14 नग घरेलू स्लेडर के व्यवसायिक

को भी कार्रवाई जारी रही। यहां जिला मुख्यालय में तहसीलदार सूर्यकांत साय व खाद्य निरीक्षक नोजल, पाइप सहित तौल कांटा जप्त किया है। उक्त छापेमारी कार्रवाई जिले के रामानुजगं,



नितेश कुमार के साथ राजस्व व खाद्य अमले ने नया बाजार पारा स्थित एक व्यवसायी के गोदाम में छापेमारी कर 13 नग घरेलू सिलेंडर, 7 नग व्यवसायिक सिलेण्डर, 1 चूल्हा, दो रिफिलिंग

# गुणवत्ता के साथ तय समय पर पूर्ण करें कार्य : जयवर्धन

मनरेगा एवं विकास कार्यों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर।** कलेक्टर एस. जयवर्धन ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विजेन्द्र सिंह पाटले, सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा के.एम. पाठक, जनपद सीईओ, कार्यक्रम अधिकारी तथा टेक्निकल टीम के साथ जनपद पंचायत सूरजपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों में संचालित विकास एवं मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान टीम ने ग्राम पंचायत करमपुर एवं गोविंदपुर में मनरेगा अंतर्गत संचालित कार्यों का अवलोकन

पंचायत करमपुर में निर्मित अमृत सरोवर तथा मिट्टी बांध के जल का उपयोग कर किसानों द्वारा लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में की गई गेहूं की खेती का भी अवलोकन किया और जल संचालन के बेहतर उपयोग की सराहना की। इसके अलावा हरटीकरा ग्राम पंचायत में संचालित खेती इंडिया सेंटर का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने खेल प्रशिक्षक को खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर उन्हें राज्य स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। वहीं कोरिया ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने इसे महिला एवं बाल विकास विभाग को हस्तांतरित कर शीघ्र आंगनबाड़ी संचालन

निरीक्षण किया गया। साथ ही 'विकसित भारत गारंटी फॉर आजीविका मिशन योजना' के प्रारंभ होने के पूर्व तैयारी की जानकारी लेते हुए इसके अधिनियम के प्रावधानों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। ग्रामीणों को अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त 125 दिनों की रोजगार गारंटी, कार्य की मांग करने की प्रक्रिया, जॉब कार्ड की उपयोगिता, समय पर मजदूरी भुगतान, तथा पारदर्शिता एवं सामाजिक अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों से अवगत कराया गया। उल्लेखनीय है कि इस क्यूआर कोड को स्कैन कर कोई भी नागरिक मनरेगा के कार्यों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकता है।

# जिले के युवाओं को सेना में करियर हेतु किया जा रहा प्रेरित

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर।** देश सेवा का सपना संजोए जिले के युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर दरवाजे पर दस्तक दे रहा है।

दंग से अग्रसर कर रहे हैं। इस अभियान को धार दे रहे हैं भूतपूर्व पैराकमांडो पुरुषोत्तम चंद्रा, जिनके अनुभव और ओजस्वी वक्तव्य युवाओं में सेना के प्रति

चयन प्रक्रिया और करियर की असीमित संभावनाओं से रूबरू करा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को शासकीय महाविद्यालय व आईटीआई प्रेमनगर, ओड़गी में विशेष कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। इन कार्यशालाओं में उमड़े उत्साही युवाओं ने भर्ती प्रक्रिया की बारीकियां समझीं और अपने मन में उठे हर सवाल का समाधान पाया। कार्यशाला में जानकारी दी गई कि अग्निवीर पुरुष, जनरल, तकनीकी, लिपिक, स्टीरकीपर एवं ट्रेड्समैन के साथ ही अग्निवीर महिला तथा स्थाई केडर के



नर्सिंग असिस्टेंट वेट एवं सिपाही फार्मा पदों के लिए अधिसूचना जारी की जा चुकी है। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 1 अप्रैल तक खुली रहेगी। जबकि ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम 1 से 10 जून के मध्य आयोजित होने की संभावना है। भर्ती से जुड़ी सम्पूर्ण जानकारी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर सहजता से उपलब्ध है। जिला प्रशासन ने युवाओं का आह्वान किया है कि वे इस अवसर को हाथ से न जाने दें और राष्ट्र सेवा की इस गौरवशाली राह पर कदम बढ़ाएँ। किसी भी जानकारी अथवा मार्गदर्शन के लिए जनपद एवं रोजगार कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम हरटीकरा में मनरेगा के विगत वर्षों में किए गए कार्यों का भी अवलोकन किया।

ग्रामीण अपने मोबाइल से इन क्यूआर कोड को स्कैन कर मनरेगा अंतर्गत हुए कार्यों की स्वीकृति, पूर्णता, मजदूरी भुगतान, कार्यों पर हुए कुल व्यय जैसे समस्त जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। यह व्यवस्था मनरेगा कार्यों को नागरिकों के लिए पूरी तरह पारदर्शी और सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है और जिले के कोने-कोने तक इस अभियान की आँच पहुंचाने का संकल्प लिया है। कलेक्टर एस. जयवर्धन के सुदृढ़ निर्देशन में जिले के समस्त महाविद्यालयों, पॉलीटेक्निक एवं आईटीआई संस्थानों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जो युवाओं को अग्निवीर बनने की राह पर योजनाबद्ध



ललक जगाने का काम कर रहे हैं। वे जनपद पंचायतों, महाविद्यालयों, पॉलीटेक्निक एवं आईटीआई संस्थानों में जाकर छत्र-छत्राओं को सेना की सेवा,

प्रधानपाठक ने विद्यार्थियों के सम्मान में एक भावपूर्ण विदाई गीत प्रस्तुत किया। गीत के माध्यम से उन्होंने बच्चों के साथ बिताए गए विद्यालय के मधुर क्षणों को याद किया। प्रधानपाठक के इस भावुक गीत से पूरे कार्यक्रम का माहौल गमगीन हो गया और कई विद्यार्थी तथा शिक्षक भावुक हो उठे। कार्यक्रम के दौरान कक्षा पाँचवीं के विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय परिवार की ओर से बच्चों को स्मृति-चिन्ह तथा शुभकामना संदेश भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण संजय कुमार साहू, रामकृपाल साहू, एनिमा बेक, शोभारानी किसपट्टा, हीरालाल कश्यप, अजय कँवर अभिभावक तथा क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

# प्रा.शा. उरांवपारा मदनेश्वरपुर में 5वीं के विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर।** विकासखंड रामानुजगं अंतर्गत प्राथमिक शाला उरांवपारा, मदनेश्वरपुर में कक्षा 5वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का

उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास बहुत आवश्यक हैं। उन्होंने बच्चों

# संगठन को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी जिले की महिला कार्यकर्ता : जया

अटल कुंज में हुई भाजपा महिला मोर्चा की प्रथम परिचयात्मक बैठक



आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में सादगीपूर्ण किन्तु भावनात्मक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र की जनपद सदस्य संध्या रजवाड़े उपस्थित रहीं।

को आगे की पढ़ाई मन लगाकर करने तथा अपने माता-पिता और शिक्षकों का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आज की शिक्षा ही आने वाले समय की मजबूत नींव होती है। इस अवसर पर विद्यालय के



**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर।** भाजपा महिला मोर्चा के मंडलों की कार्यकारिणी विस्तार पश्चात जिला एवं मंडल पदाधिकारियों की प्रथम परिचयात्मक बैठक भाजपा कार्यालय अटल कुंज में संपन्न हुई। बैठक में जिले के विभिन्न मंडलों से महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित हुईं। कार्यक्रम में प्रभारी के रूप में जया कर एवं सहयोगी के रूप में प्रवीण सिंह उपस्थित रहीं। अपने उद्बोधन में जया कर

ने कहा कि महिला मोर्चा भारतीय जनता पार्टी की रीढ़ है और जिले की महिला कार्यकर्ता संगठन नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने सभी बहनों से अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर महिलाओं को पार्टी की नीति और रीति से अवगत कराने तथा अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। सहयोगी के रूप में उपस्थित प्रवीण सिंह ने कहा कि मंडल कार्यकारिणी के विस्तार के बाद इस प्रकार की बैठक से

कार्यकर्ताओं में उत्साह का वातावरण दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार महिलाओं के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएँ चला रही है, जिनका लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने में महिला मोर्चा की अहम भूमिका होगी। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि महिला मोर्चा संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा और प्रदेश संगठन

के निर्देशों का पालन करते हुए सभी मिलकर कार्य करेंगी। जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणी पैकरा ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के लिए कई योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनमें महतारी वंदन योजना भी शामिल है। इन योजनाओं का प्रचार-प्रसार महिला मोर्चा की बहनों के माध्यम से गांव-गांव तक किया जाना चाहिए।

महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नूतन विश्वास ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कहा कि समाज निर्माण में महिलाओं का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मंडलों में नियुक्त नई पदाधिकारी संगठन को मजबूत करते हुए आने वाले समय में जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम में प्रभारी एवं जिला अध्यक्ष द्वारा सभी नव नियुक्त मंडल पदाधिकारियों का तिलक लगाकर एवं गुलाब फूल देकर सम्मान किया गया। बैठक के पश्चात उपस्थित महिलाओं ने

# प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना महिलाओं के लिए बन रही संबल

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम भाला की श्रीमती सुरजी कुमारी को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से मातृत्व काल में आर्थिक और मानसिक मजबूती मिली।

पहली किशत का उपयोग उन्होंने संतुलित आहार व चिकित्सीय जांच में किया जबकि दूसरी किशत से प्रसव पूर्व की जरूरतें पूरी की। इससे उन्हें आर्थिक चिंता से राहत मिली और वे अपने तथा शिशु पर ध्यान दे पाईं।



संतान पर 6000 रुपये की आर्थिक सहायता राशि दी जाती है। जिससे गर्भवती महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य जांच और प्रसव पूर्व आवश्यकताओं को पूरा करने में मिलती है।

# उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत नव साक्षरों का आकलन परीक्षा 22 मार्च को

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे प्रदेश में 22 मार्च 2026 को राज्यव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आकलन परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिले में भी कलेक्टर एवं जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में परीक्षा आयोजित की जाएगी। कलेक्टर श्री कटारा ने परीक्षा के सफल संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिश-निर्देश दिए हैं।

जिला परियोजना अधिकारी श्री हीरालाल पटवा ने जानकारी दी है कि उक्त परीक्षा में 15 वर्ष से अधिक उम्र के असाक्षर जिनके द्वारा उल्लास

साक्षरता केन्द्र में 200 घंटे का अध्यापन पूर्ण किया हो, ऐसे समस्त नवसाक्षर जो पढ़ना-लिखना अभियान/उल्लास कार्यक्रम तहत महापरीक्षा में सम्मिलित हुए हैं। किन्तु अपरिहार्य कारणों से राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नई दिल्ली द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हो सका, ऐसे नवसाक्षर जिन्हें लम्बी अंतराल के कारण पढ़ना-लिखना या दैनिक जीवन में उपयोगी आवश्यक जोड़-घटाना नहीं आता हो, उन्हें सम्मिलित कराया जाएगा। उन्होंने बताया है कि कार्यक्रम पूर्णतः स्वयंसेविका कर्तव्यबोध पर आधारित है। इस कार्यक्रम में शिक्षार्थी के रूप में 9वीं से 12वीं तक के विद्यालयी बच्चों को जोड़ा जाना है।

साक्षरता केन्द्र में 200 घंटे का अध्यापन पूर्ण किया हो, ऐसे समस्त नवसाक्षर जो पढ़ना-लिखना अभियान/उल्लास कार्यक्रम तहत महापरीक्षा में सम्मिलित हुए हैं। किन्तु अपरिहार्य कारणों से राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नई दिल्ली द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हो सका, ऐसे नवसाक्षर जिन्हें लम्बी अंतराल के कारण पढ़ना-लिखना या दैनिक जीवन में उपयोगी आवश्यक जोड़-घटाना नहीं आता हो, उन्हें सम्मिलित कराया जाएगा। उन्होंने बताया है कि कार्यक्रम पूर्णतः स्वयंसेविका कर्तव्यबोध पर आधारित है। इस कार्यक्रम में शिक्षार्थी के रूप में 9वीं से 12वीं तक के विद्यालयी बच्चों को जोड़ा जाना है।

साक्षरता केन्द्र में 200 घंटे का अध्यापन पूर्ण किया हो, ऐसे समस्त नवसाक्षर जो पढ़ना-लिखना अभियान/उल्लास कार्यक्रम तहत महापरीक्षा में सम्मिलित हुए हैं। किन्तु अपरिहार्य कारणों से राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नई दिल्ली द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हो सका, ऐसे नवसाक्षर जिन्हें लम्बी अंतराल के कारण पढ़ना-लिखना या दैनिक जीवन में उपयोगी आवश्यक जोड़-घटाना नहीं आता हो, उन्हें सम्मिलित कराया जाएगा। उन्होंने बताया है कि कार्यक्रम पूर्णतः स्वयंसेविका कर्तव्यबोध पर आधारित है। इस कार्यक्रम में शिक्षार्थी के रूप में 9वीं से 12वीं तक के विद्यालयी बच्चों को जोड़ा जाना है।



# गौधाम योजना शुभारंभ समारोह

एवं

## पशुपालक सम्मेलन



14 मार्च 2026



दोपहर 2:00 बजे



गौधाम लाखासार एवं  
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय  
प्रेक्षागार, बिलासपुर (छ.ग.)



श्री नरेन्द्र मोदी  
माननीय प्रधानमंत्री



श्री विष्णु देव साय  
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

वर्चुअल मोड में  
राज्य के समस्त जिलों में शुभारंभ

निराश्रित, घुमन्तू तथा जब्त किए गए गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन



₹05 लाख

प्रति वर्ष अधोसंरचना निर्माण/मरम्मत के लिए



₹47 हजार-2.85 लाख

प्रति वर्ष (1-5 एकड़) चारा विकास के लिए



₹13,126

प्रति माह गौ सेवकों को मानदेय



₹10,916

प्रति माह चरवाहों को मानदेय

### अनुदान



संरक्षण भी, संवर्धन भी  
गौवंश के लिए समर्पित  
**साय सरकार**

संचालन हेतु पात्र संस्थाएं -

छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग में पंजीकृत संचालित गौशाला की समिति,  
स्वयंसेवी संस्था, एन.जी.ओ. (गैर-सरकारी संगठन), ट्रस्ट तथा फार्मर प्रोड्यूसर  
कंपनी एवं सहकारी समिति



Visit us : [f](https://www.facebook.com/ChhattisgarhCMO) [i](https://www.instagram.com/ChhattisgarhCMO) [y](https://www.youtube.com/ChhattisgarhCMO) [w](https://www.whatsapp.com/ChhattisgarhCMO) /ChhattisgarhCMO [f](https://www.facebook.com/DPRChhattisgarh) [i](https://www.instagram.com/DPRChhattisgarh) [y](https://www.youtube.com/DPRChhattisgarh) [w](https://www.whatsapp.com/DPRChhattisgarh) /DPRChhattisgarh [www.dprcg.gov.in](http://www.dprcg.gov.in)